उक्त आर्थिक वर्ष, जिससे यह राशि संबंधित हो, के लाभ हानि के लेखे में, प्रकट करना अपेक्षित है। तिथियों, जिनको यह अंशदान दिये गये थे, प्रकट करना उपेक्षित नहीं है। पुनः सम्पूर्ण कम्पनियों के आर्थिक वर्ष एक साथ नहीं पड़ते। अतः रजिस्ट्रारों के पास, कम्पनियों द्वारा मिसिल किये गये लेखाओं से इच्छित सूचना सुनिश्चतनीय नहीं है।

(ख) नहीं, श्रीमान्।

(ग) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता।

(घ) सूचना संग्रह की जा रही है व सदन के पटल पर प्रस्तुत कर दी जायेगी।

CHECKING OF TICKETLESS TRAVELLING AT DELHI STATION

*54. SHRI B. K. DASCHOWDHURY : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that about one hundred student volunteers were posted recently at the Delhi Main Railway Station to check ticketless travelling;

(b) if so, whether this procedure proved helpful to Government;

(c) whether Government propose to ask the other Railways also to utilize the services of students to check the evil of ticketless travel; and

(d) the total income derived from this experiment by the Railways?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA) : (a) and (b). Yes, Sir.

(c) Yes, Sir. Instructions have been issued to the Railways to utilize services of students on a purely voluntary basis to check the evil of ticketless travel.

(d) In the checks organized at Delhi Main, excess fare earnings amounting to Rs. 13,549 were realized. The earnings at the booking windows were higher by Rs. 2.28 lakhs than during the corresponding period in the preceding week. It naturally cannot be said how much of the excess fare earnings and of the increase in booking window earnings may be ascribed to students' participation in these checks.

So far as the overall impact of this experiment is concerned, thought it is not possible to say precisely what additional revenue the Railways may derive as a result of it the salutary effect of students volunteering to curb the evil of ticketless travel on the Indian Railways is of great value.

अल्मोनियम का उत्पादन

*55. **श्री महाराज सिंह भारती** : क्या **इस्पात, खान तथा धातु** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चौथी पंचवर्षीय योजना के लिये अल्मोनियम के उत्पादन का क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ख) क्या उक्त लक्ष्य से घरेलू खपत, निर्यात और तांबे के स्थान पर प्रयोग करने के लिये अल्मोनियम की बढ़ती हुई मांग को पूरा करना संभव होगा;

(ग) यदि नहीं, तो आवश्यकताओं के अनुसार इसका विकास करने में क्या कठिनाइयां है; और

(घ) अल्मोनियम का उत्पादन करने में बिजली की भारी खपत को देखते हुए दीर्घकालिक आधार पर अधिक बिजली पैदा करने तथा इस उद्योग को बिजली सप्लाई करने के लिये क्या कार्यवाही की गई है अथवा की जा रही है?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय में **राज्य मंत्री (श्री प्र० चं० सेठी)** : (क) चौथी पंच वर्षीय योजना के दौरान एल्यूमिनियम उत्पादन के अभी तक कोई पक्के लक्ष्य अन्तिम रूप से निश्चित नहीं किये गये हैं। तथापि अलौह-धातुओं संबंधी आयोजना दल ने, जिसका गठन चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के दौरान अलौह-धातुओं के उत्पादन के लिये आयोजनाओं/योजनाओं का प्रतिपादन करने के लिये किया गया था, 1973-74 तक मूल एल्यूमिनियम धातुओं के 3,26,000 मैट्रिक टन उत्पादन का अनुमान लगाया है।

(ख) हां, जी।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) बिजली उत्पादन की वर्तमान क्षमता का चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान क्रमागत योजनाओं और नई योजनाओं के द्वारा सवर्धन करने के लिये प्रस्ताव प्रतिपादित किये गये हैं। 1973-74 के लिये लक्ष्य निर्धारित करने में अतिरिक्त एल्यूमिनियम उत्पादन क्षमता के लिये बिजली की आवश्यकताओं को सिंचाई तथा बिजली मन्त्रालय द्वारा विचार में ले लिया गया है।

पठानकोट रेलवे स्टेशन पर पुलिस द्वारा लाठी चलाया जाना

56. **श्री लखन लाल कपूर :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 19 सितम्बर, 1968 को केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों की सांकेतिक हड़ताल के दौरान पठानकोट रेलवे स्टेशन पर पुलिस द्वारा बिना पूर्व चेतावनी दिये लाठी चलाई जाने के परिणामस्वरूप दर्जनों महिला सत्याग्रही घायल हुई थीं;

(ख) क्या यह भी सच है कि पुलिस ने भागते हुए लोगों को लोको शैड के निकट घेर लिया और उन पर गोली चलाई, जिसके परिणामस्वरूप बहुत से व्यक्तियों की मृत्यु हो गई;

(ग) क्या यह भी सच है कि पुलिस ने रेलवे क्वार्टरों के दरवाजे तोड़े और उनमें घुस गई और पुरुषों तथा महिलाओं पर गोली चलाई तथा उन्हें बन्दूक के कुन्दों से पीटा; और

(घ) यदि हां, तो गोली चलाई जाने के कारण कितने व्यक्ति मारे गये और लाठियों तथा बन्दूक के कुन्दों से पीटे जाने के परिणामस्वरूप घायल हुए कितने व्यक्तियों को अस्पताल में दाखिल किया गया ?

रेलवे मंत्री (श्री जे० मु० पुनाचा): (क) 19 सितम्बर, 1968 को पठानकोट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं० 1 पर कुछ लोग नं० 4 जे० एम० पी० गाड़ी का रास्ता रोके रहे थे। जब पुलिस ने उनको वहां से उठाकर हटाने की कोशिश की, तो भीड़ ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिये। सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट द्वारा हिंसक भीड़ को तितर-बितर होने की चेतावनी देने के बाद उनके आदेश पर पुलिस ने हल्का लाठी चार्ज किया जिसमें 3 महिलाओं को हल्की चोटें आयीं।

(ख) और (घ) : जी नहीं। जन-जीवन और सरकारी सम्पत्ति के तत्कालिक खतरे को दूर करने के लिए पुलिस को सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट के आदेश पर उस हिंसक भीड़ पर गोली चलानी पड़ी जो लोको शैड के पास इकट्ठी हो गयी थी, जिसने पुलिस पर हमला किया और पत्थर फेंके और जो माल गोदाम में आग लगाने के उद्देश्य से उस ओर बढ़ रही थी। इससे 2 व्यक्ति घटनास्थल पर मारे गये और 32 घायल हो गये। बाद में घायल व्यक्तियों में से तीन की चोट के कारण अस्पताल में मृत्यु हो गयी।

(ग) जी नहीं।

पंजाब में औद्योगिक विकास

57. **श्री हरदयाल देवगुण :**
श्री राम सिंह अयरवाल
श्री बलराज मधोक :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1957-67 के दौरान पंजाब में औद्योगिक विकस के लिए किन व्यक्तियों, फर्मों और कम्पनियों को ऋण मंजूर किये गये और कितनी राशि की मंजूरी की गई;

(ख) क्या यह सच है कि उनमें से कुछ कम्पनियां फर्जी थी और उन्होंने कोई औद्योगिक एकक स्थापित नहीं किये; और

(ग) यदि हां, तो उनके नाम क्या हैं तथा उनके विरुद्ध सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) से